डाक निर्यात केंद्र से किताबें, थीसिस, नमूने भेज सकेंगे

सुविधा

- इस वित्तीय वर्ष 31 मार्च तक जीपीओ में खुल जाएगा डाक निर्यात केंद्र
- सीमा शुल्क में प्रपत्रों की कमी को आनलाइन दूर करने की सुविधा भी

> जीपीओ में हाइटेक डाक निर्यात केंद्र खोलने की अनुमति मिल गई है। इसी वित्तिय वर्ष में खोलने का लक्ष्य दिया गया है। इससे छोटे-बड़े सभी प्रकार के सामनों को विदेश भेजना आसान होगा।
>
> सुशील कुमार तिवारी, चीफ पोस्टमास्टर, जीपीओ, हजरतगंज, लखनऊ

लखनऊ। डाकघर से अब छोटे पार्सल विदेशों में भेजना आसान होगा। डाक विभाग लखनऊ के हजरतगंज स्थित जीपीओ में हाईटेक डाक निर्यात केंद्र खोलने जा रहा है। इसके जरिए लोग किताबें, थीसिस, सामानों के नमूने समेत अन्य छोटे-बड़े सामानों को भेज सकेंगे। विदेश सामान भेजने पर सीमा शुल्क में कागजात से जुड़ी समस्याएं डाक विभाग खुद आनलाइन हल करेगा। इसके लिए लोगों को दिल्ली जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस वित्तीय वर्ष 31 मार्च तक डाक निर्यात केंद्र के काउंटर जीपीओ में खुल जाएंगे। इससे हर प्रकार के सामानों को विदेशों में भेजने में आसानी होगी।

शिप से 30 फीसदी सस्ते में होगी बुकिंग: कार्गो या शिप के बजाय डाक निर्यात केंद्र से सामान विदेश भेजना सस्ता होगा। डाक विभाग के अधिकारी बताते है कि शिप से सामान भेजने पर काफी दौड़ भाग करनी पड़ती है। निर्यात केंद्र से सामानों की बुकिंग पर 30 फीसदी सस्ते में होने से लोगों को काफी बचत होगी।

एक जिला एक उत्पाद योजना को बढ़ावा मिलेगा: डाक निर्यात केंद्र खोलने से एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना को बढ़ावा मिलेगा।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के वाणिज्यिक निर्यात करना आसान होगा। इससे सुविधा से छोटे उद्यमियों के कारोबार और कमाई को बढ़ावा दिया है। इससे यूपी से विदेशों में छोटे उत्पाद पहुंचाने में मदद मिलेगी।